विक्रमशिला विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

चर्चा में क्यों?

राजगीर में [नालंदा विश्वविद्यालय] **की स्थापना** के दस वर्ष बाद, बिहार में **शिक्षा के एक अन्य प्राचीन केंद्र विक्रमशिला को पुनर्जीवित करने के प्रयास** चल रहे हैं, जिसके तहत भागलपुर ज़िले के **अंतीचक गाँव में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय** के लिये भूमि आवंटित की गई है।

- **वर्तमान में,** [भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)] **विक्रमशिला विश्वविद्यालय के प्राचीन स्थल को पर्यटन के लिये विकसित करने का काम कर रहा है।**

नालंदा विश्वविद्यालय

- **स्थापना:** 5 वीं शताब्दी ई. में **गुप्त वंश** के दौरान, संभवतः **कुमारगुप्त प्रथम** के अधीन।
- **विरासत:** विश्व के सबसे प्राचीन आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक; इसमें **बौद्ध दर्शन, तर्कशास्त्र, चिकित्सा और खगोल विज्ञान** सहित विभिन्न विषय पढ़ाए जाते थे।
- **विक्रमशिला से संबंध:** नालंदा और विक्रमशिला दोनों को पाल राजाओं द्वारा संरक्षण दिया गया था और दोनों में विद्वानों और ज्ञान का आदान-प्रदान होता था।
- **पुनरुद्धार:** नालंदा विश्वविद्यालय को **वर्ष 2014** में एक **अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में पुनः स्थापित** किया गया।

विक्रमशिला विश्वविद्यालय के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: बिहार के भागलपुर में स्थित विक्रमशिला महाविहार की स्थापना** [पाल वंश] **के राजा धर्मपाल ने 8 वीं शताब्दी के अंत और 9 वीं शताब्दी के प्रारंभ के बीच की थी।**
  - उस काल में यह नालंदा के साथ-साथ अस्तित्व में था और विकसित हुआ।
- **मुख्य विशेषताएँ: विक्रमशिला एकमात्र विश्वविद्यालय था जो तांत्रिक और गुप्त विद्याओं में विशेषज्ञता रखता था। यह तांत्रिकवाद के युग के दौरान फला-फूला, जब** [बौद्ध धर्म] **और** [हिंदू धर्म] **दोनों में गुप्त विज्ञान और जादू को अध्ययन के विषय के रूप में शामिल किया गया था।**
  - धर्मपाल के शासनकाल के दौरान, विक्रमशिला का सर्वोच्च विकास हुआ और**नालंदा के कार्यों को भी यहाँ से नियंत्रित किया जाता था।**
  - विक्रमशिला में धर्मशास्त्र, दर्शन, व्याकरण, तत्त्वमीमांसा और तर्कशास्त्र जैसे विषयों की भी शिक्षा दी जाती थी।
  - इस विश्वविद्यालय से कई **प्रख्यात विद्वानों** ने शिक्षा ग्रहण की, जिनमें **अतीसा दीपांकर** भी शामिल हैं, जिन्होंने **तिब्बत में बौद्ध धर्म की स्थापना** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **पतन:** नालंदा की तरह विक्रमशिला का भी पतन 13वीं शताब्दी में **हिंदू धर्म के उत्थान और बौद्ध धर्म के पतन** सहित [बख्तियार खिलजी] **के आक्रमण** के कारण हुआ।
  - इसके अवशेषों में एक बृहद स्तूप, मठवासी कक्ष और एक पुस्तकालय शामिल हैं जहाँ ग्रंथों की प्रतिलिपि बनाई गई और उनका अनुवाद किया गया।

पाल राजवंश

- गोपाल द्वारा स्थापित **पाल वंश** ने 8वीं से 12वीं शताब्दी की अवधि में बिहार और बंगाल पर शासन किया।
  - "पाल" एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है "संरक्षक"। इसे सम्राटों के नामों में जोड़ा गया, जिससे साम्राज्य का नाम "पाल" पड़ा।
- गोपाल के शासनकाल में कन्नौज और उत्तर भारत पर नियंत्रण के लिये **पाल, प्रतिहार और राष्ट्रकूट** वंश के बीच **त्रिपक्षीय संघर्ष** हुआ।
- पाल **महायान बौद्ध धर्म के धर्मपरायण संरक्षक** थे।
- उनके संरक्षण में एक विशिष्ट पाल कला शैली विकसित हुई, जो पाषाण और धातु की उत्कृष्ट मूर्तियों के लिये जानी जाती है।
  - पाल शैली मुख्य रूप से काँस्य मूर्तियों और **तालपत्र चित्रों** के माध्यम से प्रसारित हुई, जो बुद्ध और अन्य देवताओं से संबंधित थीं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष प्रश्न

?????????:

प्रश्न. भारत के इतिहास की निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये: (2020)

1. राजा भोज के अधीन प्रतिहारों का उदय
2. महेन्द्रवर्मन-प्रथम के अधीन पल्लव प्रभाव की स्थापना
3. परांतक-I द्वारा चोल प्रभाव की स्थापना
4. गोपाल के द्वारा पाल वंश की स्थापना

उपर्युक्त घटनाओं का सबसे प्रारंभिक समय से सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?

(a) 2 - 1 - 4 - 3
(b) 3 - 1 - 4 - 2
(c) 2 - 4 - 1 - 3
(d) 3 - 4 - 1 - 2

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/revival-of-vikramshila-university